प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पुष्प उत्पादन पर प्रशिक्षण सम्पन्न

पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय की प्रशिक्षण इकाई द्वारा 'पुष्प उत्पादन' विषय पर हिमाचल प्रदेश के प्रगतिशील कृषकों का हिमालय पुष्प क्रान्ति योजनान्तर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 01 से 05 मार्च तक आयोजित किया गया।

आज प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. अनिल कुमार शर्मा, ने कहा कि कृषक अपनी आय को दुगना तभी कर सकते हैं जब वह कृषि के साथ मुर्गी पालन, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन एवं बैमोसमी सब्जी उत्पादन इत्यादि को अपनायें। डा. शर्मा ने कहा कि व्यवसायिक पुष्प उत्पादन की हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में बहुत अधिक सम्भावनायें हैं। व्यासयिक पुष्प जैसे लिलियम, गैंदा, जरबेरा एवं ग्लौडियोलस का उत्पादन वर्ष भर कर अधिक लाभ कमाया जा सकता है। प्रभारी प्रशिक्षण डा. एस.के. बंसल ने कहा कि बैमौसमी पुष्प उत्पादन कर कृषक अधिक लाभ कमा सकते हैं। सिरमौर, हिमाचल प्रदेश से आये उद्यान विकास अधिकारी डा. रितेश शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों के लिए यह कार्यक्रम बहुत उपयोगी रहा। उन्होंने कहा कि 'पुष्प उत्पादन' के साथ-साथ किसानों को किसान मेले से भी भरपूर जानकारी प्राप्त हुई। प्रशिक्षण के दौरान व्यवसायिक पुष्प उत्पादन का महत्व; जरबेरा, गुलदाउदी, लिलियम, चमेली, एवं रजनीगंधा की वैज्ञानिक खेती; पुष्प तुड़ाई के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां; कीट नियंत्रण; फूलों में लगने वाले रोग की रोकथाम इत्यादि महत्वपूर्ण विषयों पर डा. रंजन श्रीवास्तव, डा. संतोष कुमार, डा. अजीत कुमार, डा. वी.के. राव, डा. सतीश चंद्र शर्मा, डा. प्रमोद मल्ल एवं डा. के.पी.एस. कुशवाहा द्वारा व्याख्यान दिये गये साथ ही प्रक्षेत्र भ्रमण भी कराया गया। प्रशिक्षण में सिरमौर हिमाचल प्रदेश के 19 कृषकों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण का संचालन डा. मोहन सिंह एवं श्रीमती डी. शर्मा ने किया।

प्रशिक्षणार्थियों के साथ निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. अनिल कुमार शर्मा।